वीयू –वेटरनरी महाविद्यालय को मिला सी.सी.एस.ई.ए. प्रमाणय

नानाजी देशमुख पशुचिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय जबलपुर के कुलपति प्रोफेसर सीता प्रसाद तिवारी की पहल, मार्गदर्शन तथा अथक प्रयासों से पशु चिकित्सा एवं पशु पालन महाविद्यालय, जबलपुर को भारत सरकार के मत्स्य पालन, पशुपालन एवं डेयरी मंत्रालय के पशुपालन एवं डेयरी विभाग की कमेटी फॉर परपज ऑफ कंट्रोल एंड सुपरविजन ऑफ़ एक्सपेरिमेंट ऑन एनिमल (सी.सी.एस.ई.ए.) का प्रमाणय प्राप्त हुआ है। जिसके अंतर्गत महाविद्यालय में स्थित वातावरण नियंत्रक प्रायोगिक पशु गृह एवम् प्रयोगशाला में वैज्ञानिक प्रायोगिक पशुओं जैसे गिनी पिग, सफेद मांइस, हैमस्टर खरगोश की ब्रीडिंग तथा ट्रेड कर सकेंगे साथ ही से कमर्शियल रिसर्च को बढ़ावा मिलेगा। नई बीमारियों, प्रदूषण जनित रोगों का अध्यन, ड्रग ट्रायल, फीड ट्रायल, किया जा सकेगा। बड़े पशुओं जैसे गाय, भैंस, बकरी, घोड़े, श्वान मैं होने वाली नई बीमारियों, उनके उपचार हेतु नई दवाओं एवम नए टीके के अविष्कार हेतु वैज्ञानिक शोध कर सकेंगे। ग़ौरतलब है कि सन 2022 में कुलपति प्रोफेसर सीता प्रसाद तिवारी के निर्देश अनुसार इस सर्टिफिकेशन हेतु अधिष्ठाता, डॉ. राजेश शर्मा के मार्गदर्शन में ऑनलाइन आवेदन किया गया था तथा निरंतर पत्राचार जारी रखा। सी.सी.एस.ई.ए. इंस्पेक्टर डॉ. मंजूनाथ के द्वारा वातावरण नियंत्रण प्रयोगशाला एवं पशु ग्रह का निरीक्षण किया गया जिसके फलस्वरुप सभी मापदंडों पर उपयुक्त पा कर महाविद्यालय को यह कार्य हेतु प्रमाणय प्राप्त हुआ है। अभी तक मध्य प्रदेश में इस प्रकार प्रायोगिक पशुओं पर शोध करने हेतु पशुओं को लखनऊ, हैदराबाद तथा पुणे से लाया जाता था। इस परियोजना के मुख्य अन्वेशक डॉ. अमिता दुबे सह प्राध्यापक पैथोलॉजी विभाग है।

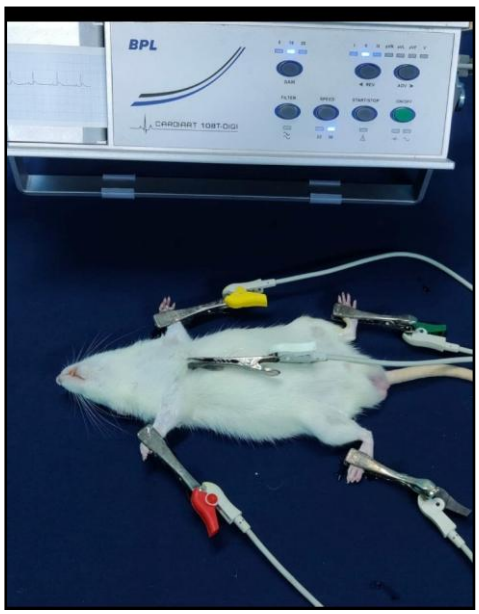

सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी
ना.दे.प.चि.वि.वि., जबलपुर